स्टार सीमेंट के सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का भाषण

दिनांक 18 सितंबर 2023, सोमवार	समय : 4:30 PM	स्थान : नेडफी ऑडिटोरियम, गुवाहाटी

- स्टार सीमेंट के चेयरमैन श्री सजज्न भजनका जी,
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रदीप पुरोहित जी,
- मुख्य विनिर्माण अधिकारी श्री सुंदरम श्रीनिवासन जी,
- सीएसआर प्रमुख श्रीमती सुकन्या गोस्वामी जी
- कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथिगण
- कंपनी के सम्मानित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण
- सिलाई मशीन पाने वाले लाभार्थी प्रशिक्षुओं
- कार्यक्रम में सम्मानित विद्यालयों के प्रतिनिधिगण
- मीडिया से हमारे मित्रों,
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

स्टार सीमेंट लिमिटेड के सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि कंपनी के इस सामाजिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए कंपनी के प्रबंधकों को धन्यवाद देता हूं। मैं कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

मित्रों,

मुझे स्टार सीमेंट के इस सामाजिक कार्यक्रम में समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन बदलने वाला अवसर दिख रहा है। कंपनी ने अपनी सीएसआर पहल के तहत यह सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया है। मुझे बताया गया है कि इस कार्यक्रम में 200 युवतियों एवं महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान की जाएगी। इसके लिए मैं कंपनी को धन्यवाद देता हूं। मैं सिलाई मशीन पाने वाली लाभार्थी महिलाओं को भी बधाई देता हूं।

मेरी प्यारी बहनों,

इस सिलाई मशीन से आप अपना और अपने परिवार के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती हैं। बस आपको कुशलता और कड़ी मेहनत के साथ काम करना होगा। महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं, बस उन्हें कार्य करने के लिए समान अवसर, आत्मविश्वास और स्वतंत्रता की आवश्यकता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप इस अवसर का लाभ उठाकर कंपनी के महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य की पूर्ति के लिए काम करेंगी। इस तरह आप अपने दृढ़ संकल्प से आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी।

मित्रों,

बड़ी कम्पनियों का सामाजिक दायित्व अर्थात सी.एस.आर. भारत सरकार की नीति है, जिसका प्रावधान कम्पनीज एक्ट में किया गया है। इस नीति के तहत कोरपोरेट संगठनों से अपेक्षा है कि वह समाज के कल्याण के लिए अपनी निधि का निश्चित भाग सामाजिक उत्थान के महत्वपूर्ण अंग जैसे शिक्षा, स्वास्थ, स्वच्छता, ग्रामीण विकास, स्वरोजगार एवं कौशल विकास, पर्यावरण एवं आपातकालीन परिस्थितियों पर खर्च करे।

भारत सरकार ने सी.एस.आर. नीति के तहत व्यय करने वाली कम्पनियों को आयकर में भी छूट का प्रावधान किया है। मेरा इस अवसर पर सभी कम्पनीज से अपील है कि इस नीति को केवल आयकर में छूट की दृष्टि से ही नहीं देखें, बल्कि समाजसेवा मानते हुए सामाजिक उत्थान का ठोस प्रयास करें।

स्टार सीमेंट पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती सीमेंट निर्माता कंपनी है। निर्माण क्षेत्र में कंपनी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। सीमेंट के विनिर्माण एवं उत्पादन के लिए कंपनी के असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल में औद्योगिक इकाइयां हैं।

मुझे जानकर प्रसन्नता हुई कि कंपनी व्यावसायिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों पर भी विशेष ध्यान देती है। कंपनी सामाजिक कार्यों के जरिए न सिर्फ जरूरतमंद लोगों की मदद करती है, बल्कि आजीविका के साधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का भी प्रयास करती है। यह प्रशंसनीय है कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए कंपनी उनके जीवन जीने के पारंपरिक तरीके को बाधित किए बिना उन्हें कमाई का वैकल्पिक जरिया उपलब्ध कराने पर अधिक जोर देती है।

ग्रामीण भारत की संस्कृति में मध्यम वर्ग के परिवारों की महिलाओं के लिए आजीविका कमाने में सिलाई-कढ़ाई और इस तरह की अन्य घरेलु उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए हमें ऐसे घरेलु उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि ये महिलाएं भी देश की आर्थिक विकास में योगदान दे सकें।

आय का एक सतत स्रोत महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व और निर्णय लेने की भावना पैदा करेगा। महिलाएं अपने बच्चों के लिए शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो उनके बच्चों में आत्मनिर्भरता के गुण स्थापित होंगे।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि कंपनी की सोनापुर में एक सिलाई स्कूल भी है, जहां युवतियों और महिलाओं को मुफ्त में सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। यहां से प्रशिक्षण लेकर महिलाएं सिलाई-कढ़ाई का कुशलतापूर्वक काम करके कमाई कर रही हैं। इसके अलावा कंपनी युवाओं और लोगों को तकीनीकी शिक्षा के साथ-साथ मत्स्य पालन, पशुपालन के लिए सहयोग एवं प्रोत्साहन दे रही है। कंपनी ने समय-समय पर दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराया है।

शिक्षा की परिवर्तनकारी क्षमता को समझते हुए कंपनी 16 विद्यालयों को डेस्क-बेंच, टेबल-चेयर, पंखा, ब्लैकबोर्ड जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने जा रही है। इनमें असम गुणोत्सव 2023 के तहत "ग्रेड ए+" श्रेणी के रूप में दर्जा प्राप्त करने वाले 14 एलपी स्कूल शामिल हैं। निश्चित रूप से कंपनी की यह पहल वित्तीय सहायता के लिए एलपी स्कूलों में स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देगी।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कंपनी सोनापुर में फलों की नर्सरी भी स्थापित करना चाहती है। इससे बागवानी को बढ़ावा मिलेगा। असम में बागवानी के लिए प्रचुर संभावनाएं है। इसलिए क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होगा और ग्रामीणों की आर्थिक आमदनी भी बढ़ेगी। इसके अलावा मधुमक्खियों के लिए प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक चारा भी तैयार होगा और मधुमक्खियों के छत्तों की संख्या में वृद्धि होगी।

यह प्रशंसनीय है कि कंपनी सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ पर्यावरण और कृषि आधारित गतिविधियों को भी प्राथमिकता दे रही है।

ये सीएसआर पहल कंपनी की सभी के आर्थिक-सामाजिक विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एक पूर्व-निर्धारित और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण के माध्यम से, स्टार सीमेंट ने ग्रामीणों के विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी संपत्ति और दक्षता का सदुपयोग किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कंपनी भविष्य में सामाजिक गतिविधियां निष्ठा के साथ करती रहेगी।

मैं कॉर्पोरेट जगत की जगत की अन्य कंपनियों से भी आह्वान करता हूं कि वे भी प्रतिबद्धता के साथ सामाजिक कार्यों में अपना निवेश करें ताकि हमें समाज, राज्य और देश के विकास का प्रतिफल मिल सके।

अंत में मैं एक बार फिर सिलाई मशीन पाने वाली लाभार्थी महिलाओं को बधाई देता हूं और स्टार सीमेंट के प्रबंधकों को उनके भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामना देता हूं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !